SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

आर्थिक विकास की समझ

अध्याय - 3

मुद्रा और साख

पंकज वैष्णव

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

मुद्रा और साख



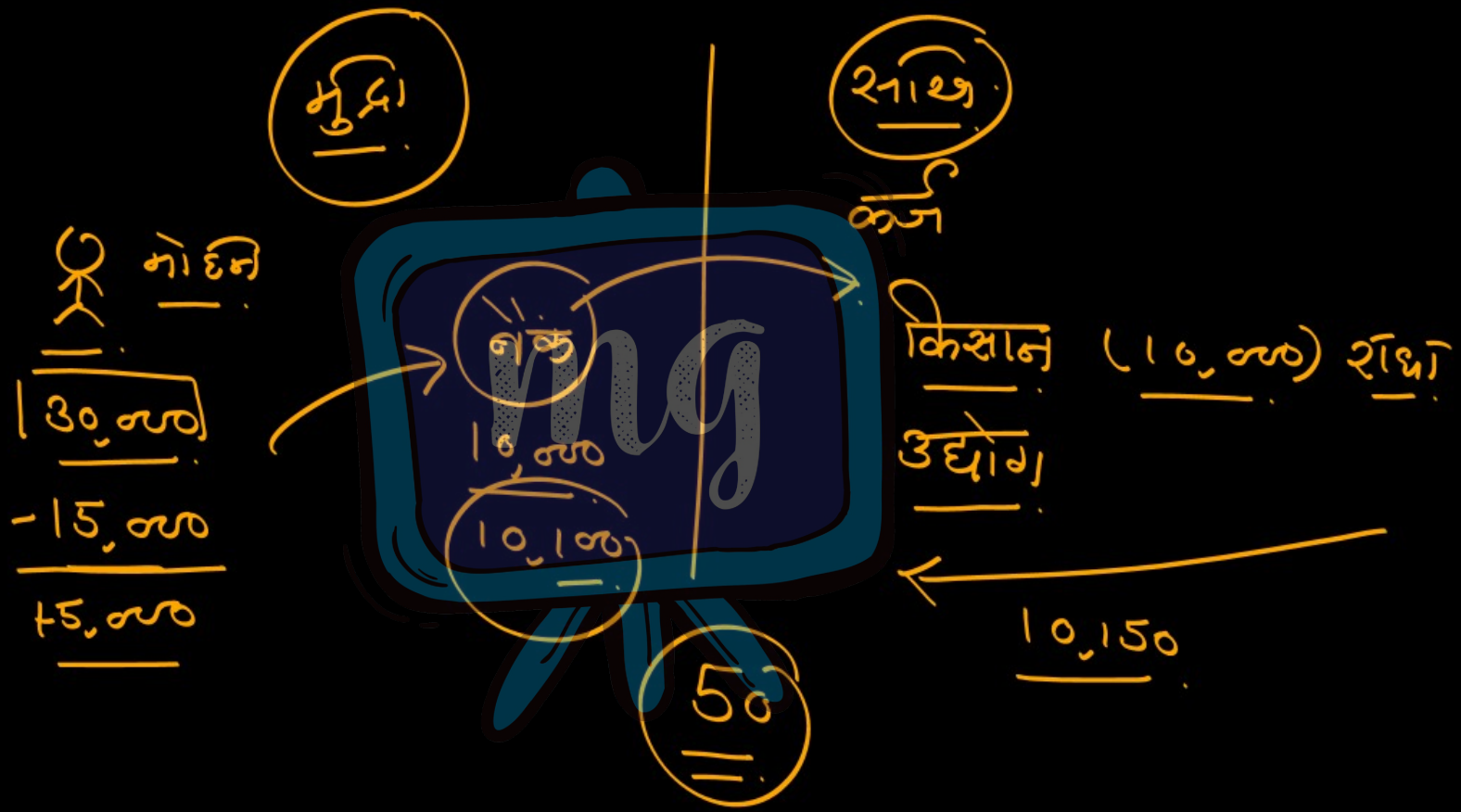
विषय सामग्री

आमुख iii
शिक्षक हेतु कुछ परिचयात्मक बातें v
अध्याय 1
विकास 2
अध्याय 2
भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक 18
अध्याय 3
मुद्रा और साख 38
अध्याय 4
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था 54
अध्याय 5
उपभोक्ता अधिकार 74
परिशिष्ट 90
सुझावात्मक पाठ 92

© NCERT not to be republished

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER



मुद्रा और साख



मुद्रा और साख



पैसे या धन का वह रूप जिससे दैनिक जीवन में क्रय-विक्रय का कार्य किया जा सकता है, मुद्रा कहलाती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

मुद्रा और साख



मुद्रा और साख

- जिस व्यक्ति के पास मुद्रा है, वह इसका विनिमय किसी भी वस्तु या सेवा खरीदने के लिए आसानी से कर सकता है, इसलिए हर कोई मुद्रा के रूप में भुगतान लेना पसंद करता है, फिर उस मुद्रा का इस्तेमाल अपनी ज़रूरत की चीजें खरीदने के लिए करता है।

मुद्रा और साख



मुद्रा और साख

- जब दोनों पक्ष एक दूसरे से चीजे खरीदने और बेचने पर सहमति रखते हो तो इसे आवश्यकताओं का दोहरा संयोग कहा जाता है। अर्थात् वस्तु के बदले वस्तु विनिमय हेतु आवश्यकताओं का दोहरा संयोग होना बहुत जरूरी है।

मुद्रा और साख

- मुद्रा द्वारा महत्त्वपूर्ण मध्यवर्ती की भूमिका निभाते हुए आवश्यकताओं के दोहरे संयोग को खत्म कर दिया जाता है।
- यहाँ मुद्रा विनिमय प्रक्रिया में मध्यस्थता का काम करती है, इसे विनिमय का माध्यम कहा जाता है।

मुद्रा और साख



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

मुद्रा और साख



मुद्रा ऐसी चीज़ है जो लेन-देन में विनिमय का माध्यम बन सकती है। सिक्कों के चलन से पहले तरह-तरह की चीज़ें मुद्रा के रूप में इस्तेमाल की जाती थीं। उदाहरण के लिए, बहुत प्रारंभिक काल से ही भारतीय अनाज और पशु का मुद्रा के रूप में इस्तेमाल करते थे। इसके बाद सोना, चाँदी और ताँबे जैसी धातुओं के सिक्कों का चलन हुआ, जिसका चलन पिछली सदी तक रहा।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

मुद्रा और साख

करेंसी

- मुद्रा के आधुनिक रूपों में करेंसी–कागज़ के नोट और सिक्के शामिल हैं।
- वे चीजें जो पहले मुद्रा के रूप में प्रयोग की जाती थीं, उसके विपरीत आधुनिक मुद्रा बहुमूल्य धातुओं जैसे सोना–चाँदी और ताँबे के बने सिक्कों से नहीं बनी है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

मुद्रा और साख

RBI

- भारत में भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्रीय सरकार की तरफ से करेंसी नोट जारी करता है।
- भारतीय कानून के अनुसार, किसी व्यक्ति या संस्था को मुद्रा जारी करने की इजाज़त नहीं है। इसके अलावा कानून विनिमय के माध्यम के रूप में रुपये का इस्तेमाल करने की वैधता प्रदान करता है, जिसे भारत में, सौदों में अदायगी के लिए मना नहीं किया जा सकता।

मुद्रा और साख

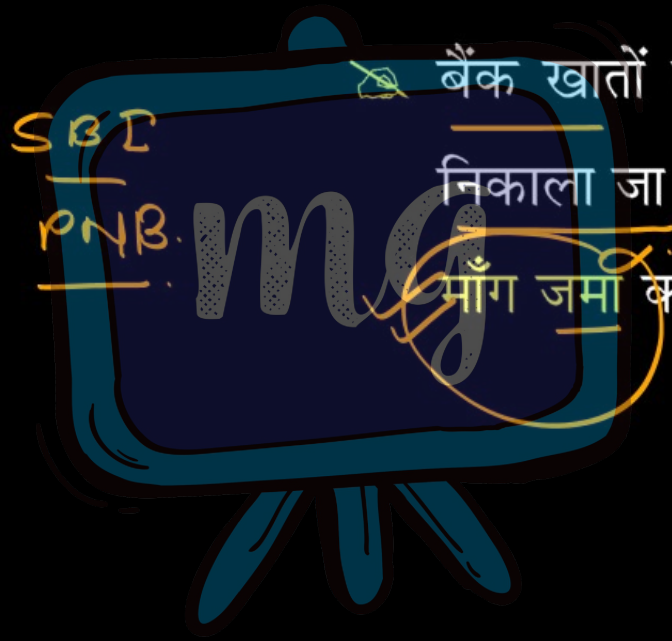


मुद्रा और साख

- व्यक्ति अपनी आय का अतिरिक्त भाग जो कि उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति के पश्चात् बचता है को भविष्य में अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने नाम से खाता खोलकर बैंको में जमा करवाता है।
- जिसका उपभोग वह अपनी आवश्यकता के अनुसार कर सकता है

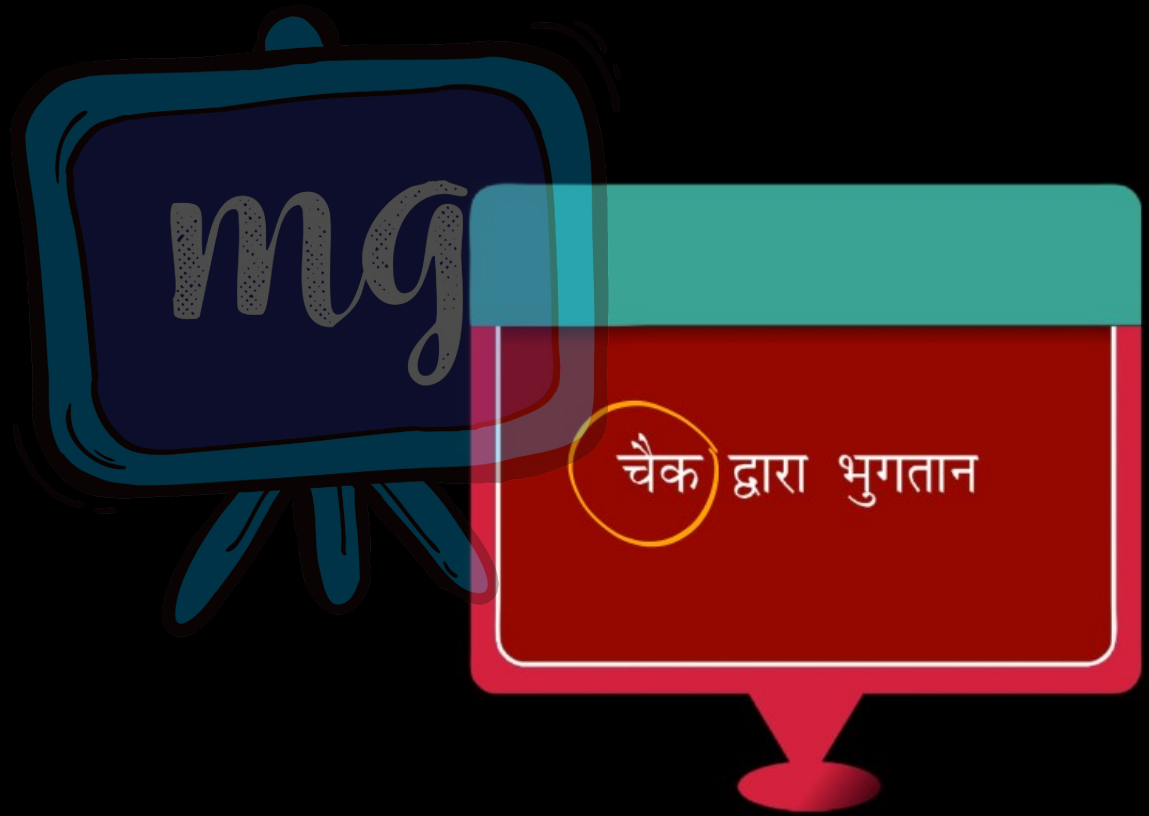
- इस जमा पर सूद भी मिलता है।

मुद्रा और साख



- बैंक खातों में जमा धन को माँग के जरिए निकाला जा सकता है, इसलिए इस जमा को माँग जमा कहा जाता है।

मुद्रा और साख



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

मुद्रा और साख

10,000/-
दस हजार

- चैक एक ऐसा कागज़ है, जो बैंक को किसी व्यक्ति के खाते से चैक पर लिखे नाम के किसी दूसरे व्यक्ति को एक ख़ास रकम का भुगतान करने का आदेश देता हैं।



मुद्रा और साख



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

मुद्रा और साख

☆ बैंक जमा राशि के एक बड़े भाग को ऋण देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण की बहुत माँग रहती है।

☆ बैंक जमा राशि का लोगों की ऋण-आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस तरह, बैंक जिनके पास अतिरिक्त राशि है (जमाकर्ता) एवं जिन्हें राशि की ज़रूरत है (कर्जदार) के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

मुद्रा और साख



- बैंक कर्जदार एवं जमाकर्ता के बीच मध्यस्थता का कार्य करते हैं।
- कर्जदार से लिए गए ब्याज और जमाकर्त्ताओं को दिए गए ब्याज के बीच का अंतर बैंको की आय का प्रमुख स्त्रोत है।

मुद्रा और साख



मुद्रा और साख

- एक स्थिति में ऋण आय बढ़ाने में सहयोग करता है, जिससे व्यक्ति की स्थिति पहले से बेहतर हो जाती है। दूसरी स्थिति में, फसल बर्बाद होने के कारण ऋण व्यक्ति को अपने जाल में फँसा देता है।


mg

मुद्रा और साख



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

मुद्रा और साख

- हर ऋण समझौते में ब्याज दर निश्चित कर दी जाती है, जिसे कर्ज़दार महाजन को मूल रकम के साथ अदा करता है। इसके अलावा, उधारदाता कोई समर्थक ऋणाधार (गिरवी रखने के लिए) की माँग कर सकता है।

- समर्थक ऋणाधार ऐसी संपत्ति है, जिसका मालिक कर्जदार है (जैसे कि भूमि, इमारत, गाड़ी, पशु, बैंकों में पूँजी) और इसका इस्तेमाल वह उधारदाता को गारंटी देने के रूप में करता है, जब तक कि ऋण का भुगतान नहीं हो जाता।

मुद्रा और साख

- यदि कर्जदार उधार वापस नहीं कर पाता, तो उधारदाता को भुगतान प्राप्ति के लिए संपत्ति या समर्थक ऋणाधार बेचने का अधिकार होता है।

मुद्रा और साख

ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार, आवश्यक कागज़ात और भुगतान के तरीकों को सम्मिलित रूप से ऋण की शर्तें कहा जाता है।

मुद्रा और साख



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

LET'S LEARN TOGETHER

मुद्रा और साख



- मेघा ने घर खरीदने के लिए बैंक से 5 लाख रुपये का कर्ज़ लिया। इस कर्ज़ पर ब्याज की वार्षिक दर 12 प्रतिशत है और इस कर्ज़ को 10 साल में मासिक किश्तों में लौटाया जाना है।
- मेघा को बैंक से कर्ज़ लेने से पहले उसे अपनी नौकरी और वेतन संबंधी रिकार्ड दिखाने पड़ते हैं।

मुद्रा और साख

बैंक नए घर के सभी कागज ऋणाधार के रूप में रख लेता है, जिन्हें मेघा द्वारा ब्याज समेत कर्ज़ लौटाने पर वापस किया जाएगा।

